ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS

Copyright ANGP

www.angp-hb.co.za

info@angp.co.za

THE HEART OF MAN
OR
THE SPIRITUAL HEART MIRROR
(An Allegorical Representtation in ten picture)

This booklet originated in France in 1732, was revised and re- written for the mission fields of Africa by Rev.J.R.Gschwend in 1929,and has subsequently been translated and printed under copyright in over 250 indigenous languages by All Nations Gospel Publishers who are distributing it today in 127mission countries. People of all languages, classes and religions are being led by this booklet to experience the deep spiritual truth and significance of God's messege to mankind as expressed by the prophet Ezekiel 586 years before Christ; "I will give you a new heart and a new mind Then you will be my people, and I will be your God!" Ezekiel 36:26-28.

Copyright ANGP

COPYRIGHT
ISBN 1-919852-27-1

आदमी का हृदय

आत्मिक हृदय का दर्पण (मन दर्पण)
(दस चित्रों में रूपक बयान)

यह पुस्तिका अपने चित्रों सहित प्रथम बार फ्रान्स देश में सन् १७३२ ई० में प्रकाशित हुई थी । यह पुस्तक "आत्मिक हृदय" का दर्पण या "दिल की पुस्तक" भी कहलाती है । इसकी धर्मशास्त्रिक सत्यता एवं उपयोगिता के कारण यह योरूप तथा अफ्रीका के सभी देशो की भाषा में प्रचलित है और सभी वर्ग के लोग तथा सभी विश्वास के लोग इस पुस्तक को पढ़ते हैं। इस पुस्तक की अपनी अलग उपयोगिता है इस कारण इसकी मांग दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही हैं ।

यह छोटी पुस्तिका अफ्रीका देश के जीवन -प्रथा एवं सोच-विचार के ढंग पर रची गई है और कई अफ्रीका भाषाओं में छापी जा चुकी है, जिसके कारण यह अफ्रीका देशवासियों के घरों तथा वहॉ के लोगों के हृदयों में स्थान पा गई है । इस पुस्तक के पढ़ने से बहुतों ने पुराने नियम में दिये गये परमेश्वर की इस प्रतिज्ञा की सत्यता का अनुभव किया कि "मैं तुमको नया मन दूंगा और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन्न करूंगा" (यहेज ३६:२६)। नया नियम में इब्रनियों ८:२० में यह पुरा हुआ है ।

Copyright Angel

आदमी का हृदय

भगवान का मंदिर -शैतान का कारखाना

(१ जॉन ३:४-१०)

यह किताब एक आएना है जिस में तुम अपने चेहरे को देख सकोगे । यदि मन में किताबी आयने को रख कर पढ़ो । तुम यदि ईसाई हो या कोई और धर्म के अनुयायी या तुम भगवान् में विश्वास करते हो या नास्तिक ।

मनुष्य बाहरी आकार को देखता है। ईश्वर हृदय को देखता है। (१ सैम १६: ७) ईश्वर मनुष्य का आदर करता हैं ।

शैतान झूठ बोलने वाले का पिता है । शैतान अंधकार का राजकुमार है और इस संसार का ईश्वर हैं और अपने को देवदूत पैगम्बर में बदलकर आदमी औरतों को धोखादिया करता हैं। अनेक शैतान के दोस्त और धोखाधड़ी करने वाले लोग है । जो प्रभु ईशु के दूत अपने को कहते हैं। उसमें कोई अचरज नहीं है । क्योंकि शैतान स्वयं मेढा बदल कर प्रकाश का दूत बन जाता है । (२ सम्बन्ध ११:१३,१४) शैतान जो इस दुनिया का भगवान बना फिरता है । यहॉ के लोगों के ऑख और दिमाग को अन्धा कर देता है जिससे आम आदमी ईश्वर को देख नहीं सकता है । ईशु जो कि आदमी के पापों के लिये मर गये (मौत को पाया) सारे पापी और अविश्वासी ईश्वर (के

Copyright ANOE

प्रति) कीं तरफ अन्धे हो गये हैं । और शैतान जो कि इस संसार के लोगों का भगवसन हैं । (इ०पह २:२) अगर ऐसे लोगों को नहीं जगाया जाय । उनकी वर्तमान स्थिति से तो वे अपने परलोक का सत्यानाश कर डालेंगे । उनको किसी तरह से जगाकर उनके असली रूप से परिचित कराया जाय । जो कहते हैं कि मेरे पास एक भी पाप नहीं हैं । वह अपने को धोखा दे रहें हैं ।

इस काम के लिए ईश्वर का (पुत्र) बेटा इस संसार में आया तो वह शैतान के सारे कामों को बरबाद कर डालेगा । (१ जांन ३:८) "अपने को दे डालो (अर्पण) भगवान को ।" भूत से अपने को बचाओ । वह तुमसे दूर भाग जायेगा और भगवान के नजदीक पहुँचोगे । (जेम्स ४:८७) जैसे -जैसे इस किताब को पढ़ते जाओगे तुम अपने स्वयं के हृदय को (पहिचान) छीन सकोगे । भगवान के प्रेम प्रकाश के मशाल में अपने राह को जो तुम्हारे हृदय तक जाती ही पहिचानों । अपने पापों को मानों (स्वीकार करो) और अपने उपस्थिति में मना मत करो । भगवान के लिये यदि तुम अपने आप को पाप के बिना कहते हो तो अपने को ही धोखा दे रहे हो और सत्य से तुम रहित हो। तुम में सच्चाई नहीं हैं । पर मह अपने पापों को कबूल कर लें तो ईश्वर हमें माफी बरतेगा हमारे पापों के लियें और हमें प्यारी गलतियों से साफ कर देगा । (जॉन १:१-१०)

"प्रभु ईशु का खून, हमें हमारे सारे पापों को धो देगा।"

तुम चाहे शैतान से शासित से शासित हो चाहे भगवान से पाप के गुलाम हुवा । शैतान भगवान के नैकर हुए हैं । जादि पाप का राज हो तुभामा पे नाही न कर मान लेवो और भगवान का नाम लेने का भगवान ही तुमका घुटा सकित है । प्रभु ईशु के हाथों वो

जो इस संसार में आये हैं । हम सब पापिन को बचाने वास्ते और शैतान का ताकत छकने दुटाने । यूँहीं हमारा भला करने वाले धेवे हैं तुम भगवान के उपस्थित में हो वो प्रभु हमारे रहस्यों को जानते हैं हमारा विचार और जौनो काम हम जीवन में करे हैं । वो जो हमारे कान दीन है । हमारा हुवा न सुने हैं । वे जो हमें ऑख दीन है का हमारी परिस्थिति न देखे हैं ।

भगवान का ऑखों से कुछ बचा नहीं हैं । सारा कुछ इस दुनिया को देखे हैं । और आपन को इस शक्ति को इस सारे दुनिया को दिखाये के हैं जिनका मन उनके भगवान में श्रद्धा रखे हैं । (जॉन ३४:२१ २२)

परन्तु प्रभु ईशु स्वयं कुछ नहीं करना चाहते थे क्योंकि वे सारे मनुष्यों को पहचानते तथा समझते थे ।

इसलिए वह आदमी जो दूसरों को उनकी गल्तियों को माफ करता हैं। उसको ईश्वर का आर्शीवाद प्राप्त है वह मनुष्य महान है जिसके भगवान का आर्शीवाद मिला हैं। जिसकी आत्म परिशुद्द पाक साफ हैं। कोई दाग धब्बा नहीं हैं।(भ० स० ३२:१;२) (भ० स० ५१ को पढ़ो) प्रभु ईशु आज भी पुकार रहे हैं। कि सारे मानव गरीब और हीरे जवाहरातों से मेरे पूरे मेरे पास आओं में तुम्हें शन्ति और आराम दूँगा (मात ११:२८;३०)

Copyright ANCP

पहले चित्र की व्याख्याः
प्रथम चित्र या पहला तस्वीर

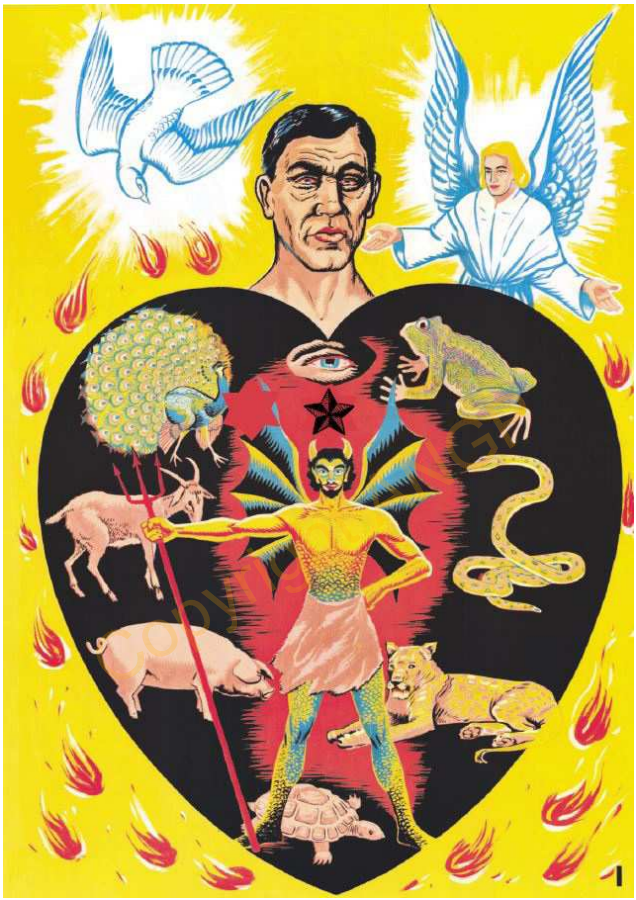

पापी हृदय

यह चित्र या पटल साधारण और पाप कृत्यों को करने वाले (स्त्री या पुरूष) औरत या मर्द का है । जिसमें यह दिखाया गया हैं । जिसकी आत्मा को उस (प्रपंच) दुनिया का रूख चलाता हैं । जिसमें शरीर की भूख और संसारी इच्छायें भरपूर हैं । यह चित्र सही मायले में जैसा हैं जैसा कि भगवान इसे देखता हैं । लाल- लाल ऑखे शराबीपन को दिखलाती हैं । नशा है तो संसारी आशाभोष ऑखों की लाली का वर्णन इस प्रकार किया गया हैं । मुहावरों में २३:२९-३३ कि जिसको (मनुष्य) का दुवा हैं । जिसको कि जिसमें आशाओं का उबाल हैं । जिसको कि बिना कारणों के घाव हैं । जिसके ऑखों में लाली हैं। वे शराब के लिये उतावले हो रहे हैं । और मिश्रण शराब या मिश्रित शराब के पाते हैं । और उसके लाल रंग नहीं देखते (बुराई को नहीं देखते) और शराब को पी डालते हैं । और वही शराब उसे एक सॉप की तरह डस लेता हैं जैसे काती व्यक्ति पराई औरतों को बुरी नजर से देखा करता हैं । और सारे विकारों से उनका मन सदा व्याकुल रहता हैं

सर के नीचे के चित्र में मनुष्य का हृदय अनेक पशुओं के सिरों का चित्र जो कि विभिन्न पापों के प्रतिरूप हैं । मनुष्य का हृदय ही सारे पापों का ढ्राकव रूप हैं । प्रभु ईशु! अपने दूत जेरमाह के मुख कहलाते हैं कि सारी वस्तुओं में हृदय ही बड़ा धोखेबाज हैं और अत्यन्त दुख प्रकार का है कौन उसे पहचान सकता हैं । (जेरमाह १७:९) प्रभु ईशु स्वयं इस बात को प्रमाणित करते हैं । "मनुष्य के हृदय के अन्दर से दुख और बुरे विचार बलात्कार चोरी हत्या बात को बदलना दगा देना, धोखा देना मद और गर्व मूर्खता ये सभी बातें मनुष्य के अन्दर से ही उत्पन्न होती हैं व जन्म लेती हैं ।"

Copyright NCP

(१) मोरः- मोर सुन्दरता का उपमान है । परन्तु मानव हृदय में यह घमण्ड का प्रतिपादन करता हैं । (प्रतिनिधित्व) लूसीफ़र एक समय भगवान् के मशाल को उढ़ाने वाला देवदूत अपने घमण्ड से भगवान् का दुश्मन बन गया था । जिसे हम शैतान/राक्षस कह सकते हैं । (ईसायह१४:६;१७) (सेजेकिल२८:१२-१७)

छमण्ड़ नरक रूपी कुँयें से पैदा होता हैं । तो कुछ लोग अपनी पढ़ाई का, कुछ अपने शरीर को फैशाने बल कक्षों में प्रदर्शन करते हैं बेशरमी से वे अपने वजनी जेब से, चूड़ियों, अँगूठियॉ पहन कर प्रदर्शन करती हैं तथा प्रसन्न होती हैं जैसाकि ईसायह ३:१७-२४ कुछ अपने दादों परदादों पूर्वजों, अपनी जातियता, संस्कृति खेल को रोकते हैं और विनय को प्रोत्साहित करते हैं । (१ पीटर ५:५) ईश्वर घमंड विनाश के पहले आता है और पतन के पहले की चमक है । (मुहावरे १६:१८)

(२) बकराः- यह संसारिक काम वासना का प्रतिनिधित्व करता है । चोरी, मिलावट, बलात्कार, धोखा खड़ी आदि उस युग में बढ़ते हुये पाप हैं और अतना अधिक बढ़े हुये हैं कि हमें प्रभु ईशु के कहे सच्चाई को मानना पड़ेगा । ईशु ने जब २००० (दो हजार) साल पहले ही भविष्य वाणी की आखिरी साल इस कल युग के सोदाम और गोमोराह की तरह होंगे। ये आधुनिक तत्व जो चारों तरफ छाया हुआ है और सारे औरत आदमियों में भरा पड़ा हैं यहॉ तक कि धर्म के स्थानों और धर्मिक संस्थानों स्कूल छात्रावास सभी जगह बुराई और गिरावट बीज बड़ी बेशरमी से बोया गया है । सारे

Copyright ANGF

मानव जाति को बिगाड़ने के लिये सिनेमा, थियेटर, अपढनीय कामुक पुस्तके तथा साहित्य और अन्य कई प्रकार के साधन उपलब्ध हैं । भगवान् कहते हैं कि पाप को ही आधुनिकता के आदर्श का नाम दिया गया हैं । सिनेमा और पुस्तकों से आदर्श जीवन जीने का प्रयत्न (कोशिश) करते हैं । परन्तु कष्टों व परेशानियों में उलझ जाते हैं।चरित्र हीन अभिनेता और अभिनेत्रियॉ साधारण जन के पूजा पात्र तथा आदर्श बन जाते हैं । नयी पीढ़ी के लिये क्लब और होटल आम तौर पर पाप के जन्मस्थान बन रहे हैं । ईश्वर के नायक और आदर्श पुरूष जैसे जोसेफ (जेनेसिस ३५) जो पवित्रता के प्रतिरूप हैं उनका उदाहरण नहीं दिया जाता हैं ।

मौत के बाद जब आत्मा का न्याय होता है तब भी जुलू हीथेन (जो कि बलात्कारी स्त्री तथा पुरूषों को मृत्यु दण्ड दिया था।) कम से कम अपने आधुनिक संस्कृति के लोगों को जुलू का उदाहरण देकर समझाया जा सकता है कि बलात्कार करना बुरी बात हैं। जिसकी सजा केवल मौत है । जिससे आने वाली पीढी को अच्छे बुरे बताने की पहिचान हो । भगवान हमसे कहते हैं कि वासना को खेल न समझ वरन् उससे दूर रहें सदा परे रहने की चेष्टा करें । क्योंकि मनुष्य जितने भी पाप करता है बिना शरीर के परन्तु बलात्कार वह अपने शरीर के साथ करता हैं । क्या तुम्हें मालूम नहीं तुम्हारा शरीर पवित्र आत्मा (प्रेत) का मंदिर हैं । और उस शरीर पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है । क्योंकि यह उस ईश्वर के अंश का ही घर है (१ कोर ६:१८:१६) यदि कोई औरत या मर्द भगवान् के (घर) मंदिर को अपवित्र करें अपने कामों से तो भगवान् उस का सर्वनाश कर

डालेगा । क्योंकि अपवित्रता का मंदिर में कोई काम नहीं । यह वह मंदिर है जहाँ मनुष्य भी रहता है । (१ कोर ३:१७)

(३) सुअरः- यह मनष्य के शराबीपन नशाखोरी तथा ज्यादा लालची तथा खाऊ व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता हैं । यह एक बहुत ही गन्दा जानवर हैं । उसके रास्ते में आये हुये उसे बिना देखे खाता फेंकता चला जाता है और पापी हृदय बुरे प्रस्तावों को आसानी से मानता गन्दे चित्रोंदेखता गन्दी इच्छाओं को पालन करता चला जाता है । गन्दे साहित्य को पढता हैं । शरीर का लक्ष्य उसे पवित्र रखना हैं । क्योंकि शरीर के अन्दर जीते जागते भगवान् का निवास हैं ।यह मंदिर तम्बाकू चबाने से गन्दी आदतें जैसे धूम्रपान अफीम का सेवन नशीली दवाईयों के सेवन में मंदिर बरबाद हो जाता हैं । इसकी पवित्रता नष्ट हो जाती हैं । आजकल अफीम ने औरतों और आदमियों को अपने चपेट में जबरदस्ती ले लिया हैं । केवल भगवान् ही इन विचारे मनुष्यों को छुड़ा सकते हैं । जो अत्यन्त धर्मिक हैं वे भी गिरजाघर के बगीचे में सिगरेट पीने से नहीं कतराते और शरीर रूपी इस मंदिर को अपवित्र करते हैं । मंदिर देवदूत पॉल कहते हैं । कि यह शरीर पवित्र आतमा का मंदिर हैं । जो उसे गन्दा करता है, ईश्वर उसे बरबाद करते हैं (१ कोर ३:१६; १७:६; १८:१६) जो व्यक्ति लालची तथा खाऊ हैं उसे भी भगवान् की दृष्टि में मुक्ति नहीं है । हम जीने के लिये या जिन्दा रहने के लिये खाते हैं हम खाने के लिये नहीं जीवित हैं ।भूख भरपेट खाने से (भोजन) मिटाई जा सकती हैं । परन्तु लालच दो और दो कहती हैं । वस्तुओं

की भूख लालच कभी ख्म नहीं होती है। पुरान टेंस्टानेंट के नियमानुसार पीने वाले को यानि शराबी को पत्थर मारकर मार डालना चाहिए (डेड;ट २१:१८-२१) पीने वाला तथा अधिक भोजन करने वाला मनुष्य दरिद्रता की ओर जाते हैं । और उन्हें नशे की नींद लूटने वालों को फटे चीथडों में लपेटना चाहिए । ईश्वर वह सदा अच्छे नियमपूर्वक रहनक वाले व्यक्ति का साथी और पिता समान रहता हैं । (मुहावरा २३:२१; मुहावरा २८:७) याद रखिए कि जो व्यक्ति अमीर और धनवान हैं । परन्तु बहुत लालची हैं। अधिक खाने वाला हैं । और अपनी गन्दी इच्छाओं के गुलाम हैं ।

मौत के बाद जब नरक में (वासनाओं) अपनी ऑखें खोलेगा जहॉ वर्णनातीत दृश्य को देखकर शराब के देव (दुष्टातमा) जिसका जिक्रकरना बेकार हैं । ईश्वर ने स्वयं कहा है कि कोई भी शराबी देवसाम्राज्य का उत्तराधिकार नहीं हो सकता हैं । बीयर जौ की शराब भोजन नहीं बल्कि भयंकर सजा हैं । यह शराब मन को असमंजस में डालती हैं । और मनुष्य अन्यायी है वे आदर्शहीन और हत्या करने को भी झिझकते नहीं क्योंकि शराब चिढ़ानवालार (मुहा २०:१) जो व्यक्ति तेज शराब को बनाते तथा बेचते हैं वे भी पापी हैं । भगवान् के दरबार में क्योंकि ईश्वर स्वयं कहते हैं । घोर कष्ट पर इट पडेगें जो कि शराब का सेवन करते हैं । (ईसाह ५:२२) उन लोगों पर भी कष्टों के पहाड़ टूट पडेगें जो अपन पड़ोसियों व साथियों को पीने की आदत डालते हैं और शराब की बोतल उन्हें देते है । (धब २:१५)ऐसे लोग अपने दॉवतों में अति मधुर बाद्य जैसे बायलीन का उपयोग करते हैं जिससे अत्यन्त सुन्दर संगीत उत्पन्न होता हैं । परन्तु यह संगीत ईश्वर को

Copyright AVGP

प्रसन्न करने वाला तथा योग्य नहीं हैं । (ईसाह ५:१२) कभी उस भ्रम में न पड़ें कि जो आदर्श हीन नीच बलात्कारी व्यभिचारी चोर पैसे का हेरा फेरी करने वाला है कभी भी ईश्वर के राज्य में नहीं पा सकता हैं । (१ कारे ६:७ ;१०)

सांसारिक पाप जो कि आदमी में स्वाभविक रूप से रहते हैं । जैसे अपवित्रता बेईमानी असभ्यता मूर्ति पूजा झगड़ना ईर्ष्या द्वेष वासना को प्रकट करना दुश्मनी भेद भाव मत भेद उत्पन्न करना शराबीपन बदला लेना आदि गुण वाले आदमियों को ईश्वर के साम्राज्य में कोई स्थान नहीं हैं । (गाल ५:१८;२१) शराब को मत पिओ उसके बदले पवित्र आत्मा यानि ईश्वर के रूप से मन को भर डालो । प्रभु ईशु ईश्वर के प्रेम के प्यासों को इस प्रकार आमंत्रित करते हैं यदि कोई प्यासा हैं सीधे मेरे पास आजाइए और अंश्वर दया के प्रेम को निःशुल्क प्राप्त कर डाले। (आइजक ५५:१)

जो कोई भी पानी पीता है मैं उस अमर स्त्रोत से पानी दूँगा । (जान ४:२४)

(४) **कछुआ** : यह तंत्र योग, शैतान के काम, भूतों को विद्या आदि का प्रतीक है " जो उसके साथ नहीं आना चाहता है । उसे वह मारना चाहता है ।" (कहावत २६:२५:२६)

जोशवा ने इजराइल के बच्चों से कहा " भूमि के लिये इतना पागल न बनो।" मानव स्वभाव ईश्वरीय कार्य के लिये बहुत आलसी है ईसा ने कहा " सीधे द्वार में पहुँचने का प्रयत्न करो । " वह जो

Copyright Note

ढूंढता है उसे पाता है" "स्वर्ग का राज्य से दुःखी हो और हिंसा को दूर करना है ।"

मोक्ष के लिये आलस्य आध्यात्मिक जीवन में मृत्यु की ओर ले जाता है वह ईश्वर से प्रार्थना करने से दूर रखता है । वह प्रभु संपत्ति का वादे करते हुए नाश की ओर ले जाता है । भगवान तुम्हारे दिल को आज देने के लिये कहता है । वही दैत्य बाद में या कल देने के लिये कहता है । और वह दिन कभी नहीं आता है। बिना मुक्ति ओर ईसा के बिना मर जाता है । " आज तुम अपने दिल की आवाज को सुनो तो वह कभी कड़ा नहीं होगा । (हिबू ३:६:२) कितने ही लोग समय का इंतजार करते हुए मर जाते है और वह दिन कभी नहीं आता है आज तुम्हारा है कल तुम्हारा नहीं है ।

कछुआ का कवच तांत्रिकों द्वारा उपयोग करते हैं । लोक तंत्र विद्या भूत विद्या में भविष्य दिखाने के समय धन नष्ट करते हैं । लेकिन प्रत्यक्ष ईश्वर में विश्वास नहीं रखते हैं । बुरे समय (दुःख में) ईश्वर से प्रार्थना करने को कहते है । जो प्रतिदिन प्रभु की आज्ञा का पालन करता है । (पास्म ३६:२३)"

"अगर कोई बीमार है तो प्रभु का प्रार्थना करो, गिरजाघर के पादरी को बुलवा कर कुछ प्रार्थना करो ईसा जरूर सहायता करें अगर पाप किया है तो पाप को एक दूसरे के सामने की डालो वह तुम्हें क्षमा करेगा । तुम्हारा दुःख दूर होगा । (जेन्स ५:१४:१६)

उद्धार पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण से नही प्रभु से होता है । (पास्म ७५:६:७)

" प्रभु ने इजराइल के बच्चों से कहा चाहे पुत्र होगा पुत्री जो अच्छे कर्म करता है या तंत्र भूत विद्या आदि का अभ्यास करता है सभी को आग से उतरना पड़ता है मृत्यु को प्राप्त होना पड़ता है । (डीभूट १८:१०:१२) ईश्वरीय राज्य के बाहर कई जादूगर हंतक मुर्तिपूजक भविष्य बताने वाले जो सभी झूठे हैं । (रिलिवेशन २२:१५) तुम कभी ज्योतिष के पास आत्मा या भूतों के पास मत जाओ वे सभी तुम्हें धोखा देंगे । वे हर समय तुम्हारे प्रभु कहेंगे लेकिन उनके पास प्रकाश नहीं है । उनके चुंगल में न फंसो । (आइजक ८:१९:२०)

जब तुम इस पुस्तक को पढ़ते हो तो भगवान तुमसे कहता है तुम समर्पण करो तुम पापों को बताओ लेकिन कछुआ की आत्मा जो तुम्हारे अंदर है वह कहती है भगवान के वचनों को न मानो । कल मानो । तुम्हारे दिल में डर भर देता है ।

मेरे आदमी कहते हैं मैं एक सच्चा ईसाई हूँ । अगर मैं नाच गानों सांसारिक सुखों में भाग नहीं लूँगा तो क्या होगा ? जब ईसा तुम्हारे अंदर प्रवेश करेंगे तो भय और मृत्यु का भय दूर होगा । परंतु ईसा के द्वारा मृत्यु का भय दिखा कर हर समय गुलाम बनाते हैं । तुम्हारे दिल को कछुआ के कवच की तरह कड़ा बना देता है । सच्चे मार्ग से दूर ले जाता है ।

(५) **चीता** एक क्रूर और भयंकर जानवर है । जो क्रोध बुरा बर्ताव घृणा आदि का प्रतीक है । जो तुम्हारे दिल पर अधिकार करता है । ईसा कहता है तुम्हारा क्रोध तुम्हारे आंखों में न दिखे । जन ४५:५ क्रोध को दूर करो जिससे कोई पाप कम नहीं जनरल ४५:५ पस्म ३७:४ ।

Copyright ANGP

(६) घृणा क्रूर है । क्रोध आवेश के साथ आता है जो ईर्ष्या के सामने खड़ा हो सकता है । (प्रावे २७:४) क्रोध मूर्खों के अंक में रहता है इसलिये क्रोध को दूर करो (काल ३:८) कई कायर बुरे काम या बदला लेने के लिये पीते हैं । परंतु उनका पिया हुआ शराब विष बन जाता है विष जंतु का विष बन जाता है । (ड्रमट ३२:३३) पापी हृदय के लिये बदला एक मिठाई की तरह है । लेकिन भगवान हमारे पापों का शिक्षक है । ईसा ने कहा तुम अपने पड़ोसी से प्रेम करो जैसे तुम अपने से प्रेम करते हो । और अपने शत्रुओं से प्रेम करो भगवान हमारे पापों को क्षमा करता है । अगर हम उन्हें माफ करें जैसे राहगीर एक-दूसरे से करता है । एक पापी निकृष्ट आत्मा भी उसी प्रकार खुदा के सामने क्षमा के काबिल है । बुरी निगाह युद्धक्षेत्र में रक्तपात आदि संसार में है परंतु वास्तव में सच्चा अमन हृदय में रहता है ।

६) **सॉप** :- सॉप ही ईडन के बगीचे में ईव को धोखा दिया और प्रभु संबंध से अलग रखा । शैतान ने देखा कि आदम और ईच बहुत मोहब्बत के साथ जीवन बित रहे हैं तो ईर्ष्या से लूसीफर का जगह ले लिया । शैतान उन दोनों के प्रेम और समझौते को तोड़ दिया खुदा से भी संबंध भी हटा दिया । वही ईर्ष्या मनुष्य के हृदयों में प्रवेश करके उन्हें सुख से नहीं जीने देता हैं किसी को उन्नति शील और खुशी से रहते हुए नहीं देख सकता हैं ।ईर्ष्या कब्र की तरह क्रूर हैं (गीत सोलमन ८:६) यह मनुष्य के दिल में बुरे विचारों को जन्म देता हें। और जान लेने में भी नहीं हिचकिचाता हैं। यह अकसर शादी - शुदा लोगों में होता हैं । सभी व्यापारियों में ईर्ष्या दुःख देता हैं। यह ईसाइयों

Copyright ANCP

और पादरियों में भी होता हैं।जो अपने को ही भगवान् के सेवक या नौकर मानते हैं । वे लगातार अच्छे विचारों के सहारे हढ़ रह सकते हैं। यह प्रेम जो हमारे हृदय में जो पवित्र प्राण द्वारा प्रतिष्ठित है वे अपने ईर्ष्या के बुरे विचारों से दूर रहें ।

(७) **मेढ़कः**- मेंढ़क जो भूमि पर रहता है लालच और दौलत के मोह में सभी पापों को करता है जो सब बुराइयों का मूल हैं । (१ टिम ६:१०) कुछ कॉगों के मेंढ़क कई चींटियों को खाते हैं जब तक मर नहीं जाते । लालची आदमी गरीबों की सहायता दौलत से नहीं करना चाहता है वह अन्धे बुरे सभी साधनों से दौलत को जमा करता हैं । जिसे वह कहीं भी नहीं ले जा सकता हैं। ईसा ने खुद कहा तुम ऐसा धन इस जमीन पर न कमाओ जो किसी के काम का न हो जिसे चोर चुरा लें जो तुम्हें बुराई के मार्ग में ले जाता हैं। तुम स्वर्गीय या जन्नत के दौलत के लिए प्रयास करो जिसे न चोर चुरा सकता हैं । जो तुम्हारे दिल में हैं। (माट ६:१६;२२) अचन और उसके घरवाले सोना चॉदी ओर रत्नों से प्रेमकिया और वे नष्ट हो गये (जोशवा ७) जूदास इस करेट और उसके साथी और ईसा केवल दौलत के लिए शूली पर चढ़ा दिये गये । यह बुराई का फल हैं । केवल सोना दौलत से प्रेम ही नहीं हैं। जो मनुष्य के दिलों में हैं ।

हजारों लोगा जल्दी धनवान या अमीर बन जाना चाहते हैं । किसी जुआ या घोड़े या कुत्ते के दौड़ द्वारा और अपना पारिवारिक जीवन बरबाद कर लेते हैं । बिना मेहनत के अमीर बनने की ख्वाइश जान से मारना या चोरी करना आदि को खोलती हैं ।

दौलत से प्रेम और लालच के कई साथी हैं । जैसे यश प्राप्त करना राजनैतिक नेता बनना गरीबों को कष्ट देना धर्मिक बल जैसे भगवान् से संबंध बढ़ाने के बजाय गिरजा घर के कामों से अधिक संबंधित हैं । एक साधु की निंदा करना और उसके मार्ग गिरजा घर की निंदा करना आदि हैं । (मार्क ९:३८) ईसा ने कहा तुम सही मार्ग ढूढ़ों उसके पास बहुत सी वस्तुयें हैं । धनी आदमी ने बहुत सारी जमीन खरीद ली । उसने फलों और सामान को रखने के लिये बहुत बड़ा घर बनवाया और आत्मा से कहा तुम्हें कई साल तक खाने के लिये फल और सामान रखा हैं । परन्तु भगवान् ने उससे कहा है गर्व आज तुम्हारी आत्मा को बुलाया हैं । तब वे फल ओर समान कौन आयेगा । तुमने भगवान् के लिये दौलत नहीं इकठ्ठा नहीं किया (लूॅक १२:१६;२१)।

वह आत्मा को खा कर संसार की सारी दौलत एकत्रित करने से क्या फायदा उस आदमी को हुआ ? (मार्क ८:३६)

तुम अपने लिये कुछ मत सोचो क्या खाते हो तुम्हारा शरीर क्या हैं- भगवान् के राज के बारे में सोचो वही तुम्हारा धन हैं वही तुम्हारा दिल हें । (लूक १२:२२;३४)

(८) **शैतानः**- शैतान सभी पापों को करने को प्रेरणा देता हैं । झूठ का बाप हैं और दिल का शासक हैं ईसा ने कहा वही बुराई का पिता है । वासना का पिता हैं वहीं लोगों को मारने वाला हैं । उसका घर सत्य में नहीं हैं । वह मुह खोलता हैं झूठ का पिता हैं । (जान ८:४४) एक छोटा झूठ भी बड़े झूठ के समान है । यहॉ पर झूठ बोला जाता हैं

Copyright ANCF

लिखा जाता हैं नाटक भी करते हैं । एक शासक झूठा है वह वैसा बर्ताब करता है जो वह नहीं हैं । वह भगवान् से झूठ नहीं कह सकता हैं । वह ईसाई भी नहीं हैं (टोटस १:२) अगर वह कहता है कि मेरा भगवान् के साथ संबंध हैं । अंधेरे में चलताहै हम झूठ बोलते हैं । लेकिन सचचाई नहीं । (१ जान १:६) उनके लिये कुत्ते परस्त्री गमन झूठैले हंतक ओर मूर्ति पूजक हैं । जिनसे वे प्रेम करते हैं ओर झूठ बोलते हैं । भगवान् झूठ बोलने वाले से घृणा करता हैं (प्रोवर्व कहावत ६:१६)

(६) **तारा**:- यह दिल की आवाज या विवेक हैं । जो प्रत्येक आदमी में होता हैं । लेकिन वह लगातार बुरे कामों से अंधा और भटक जाता हैं और वहअपने कामों उचित या अनुचित नहीं सोच पाता हैं बुराई कभी शांत रूप में नहीं होती हैं । और कभी तंग करती हैं जब दोषी टहराना होता हैं तो क्षमा करता हैं । आदमी के अन्दर विश्वास आत्मा को दूर करना शैतान के सिद्वांत और एक अहंकार वादी झूठ बोलता हैं । (टिम ४:१;२ हिब्रू १०:२०)

(१०) **ऑख** :-भगवान् हृदय में होने वाली सभी बातों को देखता हैं उससे कुछ भी छिपा नहीं सकते हैं । वह मन के सभी विचार इच्छा को देखता हैं । तुम चाहे बुरे कामों को अंधकार में करो भगवान् खुद देखता हैं । इस चित्र में आदमी का ऑख यही देखता हैं वह वह आदमी के चेहरे का पता चलता हैं ।

(११) **आग के जीभ** :- एक पापी हृदय के चारों तरफ भगवान् के प्रेम रूपी आग के लपक हैं । जो पाप से घृणा करता हैं वह आदमी से प्रेम करता हैं । उसे पाप करते हुए मौत को प्राप्त नही करना चाहता हैं । वह पश्चाताप् करके जिंदा रहता हैं । ईसा पापियों को बचाने के लिये आया हैं ।सवर्ग का आन्नद बहुत बड़ा हैं । पापी पश्चाताप् करता हैं । छोटे-छोटे जीभ यह बतलाते हैं कि ये ईसा का खून हैं । यह बकरे का बच्चा भगवान् का हैं जो दुनिया से पाप को हटाता हैं ।

(१२) **देव परी** :- देव परी भगवान् के वचन का संकेत है । वह पापी औरत या आदमी के हृदय के अंदर खुदा के लिये मोहब्बत को जगाना चाहती है जिससे उसके दिल में खुदा का वास हो ।

(१३) **कबूतर** :- यह चित्र तुम्हारे दिल के दशा को बतलाता हैं । तुम खुदा के लिये चिल्लाओ अपने दिल को खुदा के लिये खोलो । उसके प्रकाश को अपने दिल में अपने दिल में आने दो । ईसा में विश्वास रखो जिसने तुम्हे बचाया हैं । भगवान् तुमहारे उद्धार के लिये इच्छुक हैं प्रभु तुम्हारे दिल को बदलने का वचन दिया और तुम्हें नयी आत्मा नये दिल में प्रवेश करायेगा । यह दूसरे चित्र में बताया जायेगा ।

२.द्वितीय चित्र

यह चित्र एक पश्चातापी हृदय का वर्णन करता हैं जो ईश्वर की खोज में हैं । चित्र में परी जो तलवार लिये हुये हैं जिसके दोनों ओर धार हैं । जो ईश्वर वचन की याद दिलाता हैं जो तलवार के धार की भॉति मनुष्य के मॉस भडजी को छेड़ते हुये हृदय तक पहुॅचता हैं जो

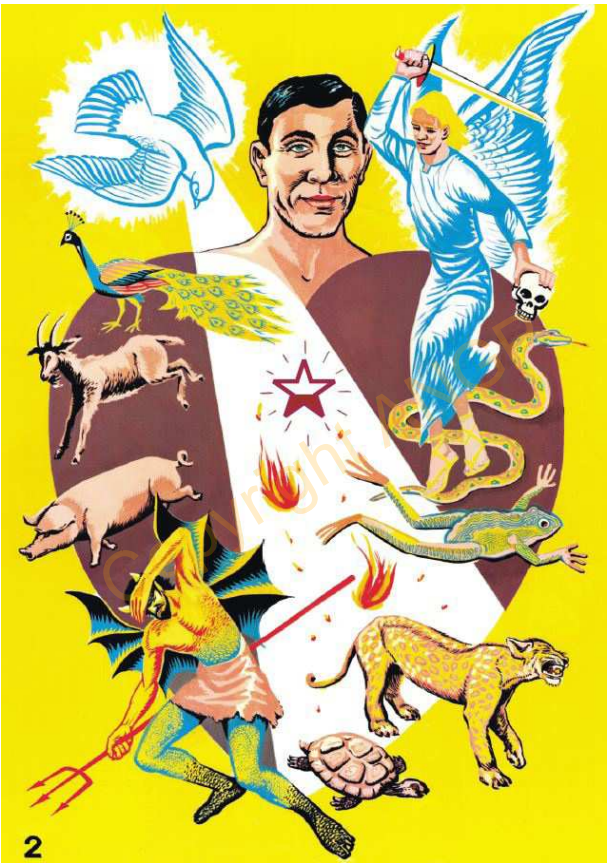

पश्चातापी और समर्पित दिल

मानव हृदय के विचार एवं आश्यों को व्यक्त करता हैं । (हिब्रू ४:१२) ईश वचन हमें याद दिलाता हैं कि पाप का फल मृत्यु हैं । मनुष्य एक ही बार मृत्यु को प्राप्त होता है । कि पाप का फल मृत्यु हैं । मनुष्य एक ही बार मृत्यु को प्राप्त होता हैं उसके पश्चात् ईश्वर के न्याय विधान में पहुंचता हैं । (हिब्रू ९:२७) पापी एवं नास्तिक को (अग्नि कुंड जो गंधक एवं चूना से परिपूर्ण हैं) प्राप्त होता हैं । देव कन्या के दूसरे हाथ में कपाल है जो हमें स्मरण दिलाता है कि हम सब नश्वर हैं ।हम जिस काया को इतने प्रेम से वस्त्रान्वित कर भोजन से पोषण करते हैं ।जिसकी विषय वासनसओ की तृपित करते हैं । वह बाद में काल के पाश में नष्ट होता हैं । इस निर्विज काया में हो प्राकृतिक नियम क्षरा सीड़ना कोड़े पड़ना आदि होता हैं । जब कि प्राण एवं आत्मा अमरू है और देव न्याय के दिन प्रत्यक्ष होता हैं । यहॉ पर पापी भगवानृ के उपदेश को ग्रहण करके ईश्वर प्रेम को स्वीकार करने के लिये हृदय कपाट खोलता हैं ।वह पवित्र आत्मा पापी के अंधकार पूर्ण या हृदय को प्रकाशित करती हैं तो अंधकार को पूरा करता हैं जब दिव्य प्रकाश करी हैं दिव्य ज्योति उसके .....प्रवेश करके समस्त अंधकार को दूर करती हैं जब दिव्य प्रकाश दूर करी है तो अंधकार अपने आप निष्कासित कोती हैं । अंधकार या पाप को विभिन्न पशुओं के रू में दिखाया है । जिन्हें दूर होना हैं अतः प्रिय पाठक ईशु के दिव्य ज्योति को जो संपूर्ण विष्व की ज्योति है अपने हृदय में प्रविष्ट होने दो जिससे पाप अंधकार अज्ञानता दूर होने दो जैसा कि चित्र में दिखाया गया हैं ।

ईशु ने कहा है मैं संसार की ज्योति हूँ यह मेरा अनुसरण करें यह विश्व अज्ञानता के अंधकार की ओर चलें ।(जान ८:१२)

Copyright ANGEL

तुम कभी भी अपने अंदर की अज्ञानता रूपी अंधकार को दूर नहीं कर सकोगे अपने प्रयत्नों के द्वारा सबसे सरल सहज मार्ग यही है कि ईशु कृपा के द्वारा वह दिव्य ज्योति अपने में जगाओ और देखों अंधकार अपने आप दूर हो जायेगा । चंद्रमा या नक्षत्र कुछ सीमा तक हमारी सहायता करते हैं लेकिन जब सूर्योदय होता है तब सभी नक्षत्र विलिन होकर यह संसार प्रकाशमान होता हैं । ईशु का प्रकाश सूर्य के प्रकाश के समान हैं । जब ईशु जेरूसलम के मंदिर में प्रवेश किया तब उन्होंने सभी भेड़ बैल कबूतर आदि को बेच कर धन को देकर कहा यह निश्चित है मेरा घर प्रार्थना मंदिर हैं ।पर यह चोर-उच्चकों का अड्डा बना हुआ हैं । (माट २१:१३) तुम्हारा हृदय भगवान् का मंदिर है घर हैं । तब उसमें विकसित है उसे सुन्दर बनाओ प्रकाशमान करो एवं प्रेम आन्नद से ईसा केवल हमें क्षमा करने के लिये ही नहीं आया हैं । परन्तु हमें पाप के जंगल से मुकत करने को आया हैं । अगर ईसा तुम्हें मुक्त करते हैं तो वास्तव में तुम में तुम मुक्त हो गये हो ।

(३) तृतीय चित्र या तीसरा तस्वीर

यह तस्वीर दिल के उस दशा का वर्णन करता हैं जिसे पश्चातापी पापी कहते हैं । वह अब अच्छे और बुरे फल को जो उसके पापों का परिणाम हैं । क्रॉस को लिये हुये देव दूत अब उस आदमी के दुःखी दिल को दिलासा देता हैं । जो अपने पापों को धोने का प्रयास कर रहा हैं । वह देखता हैं उसकी मोहब्बत भगवान्

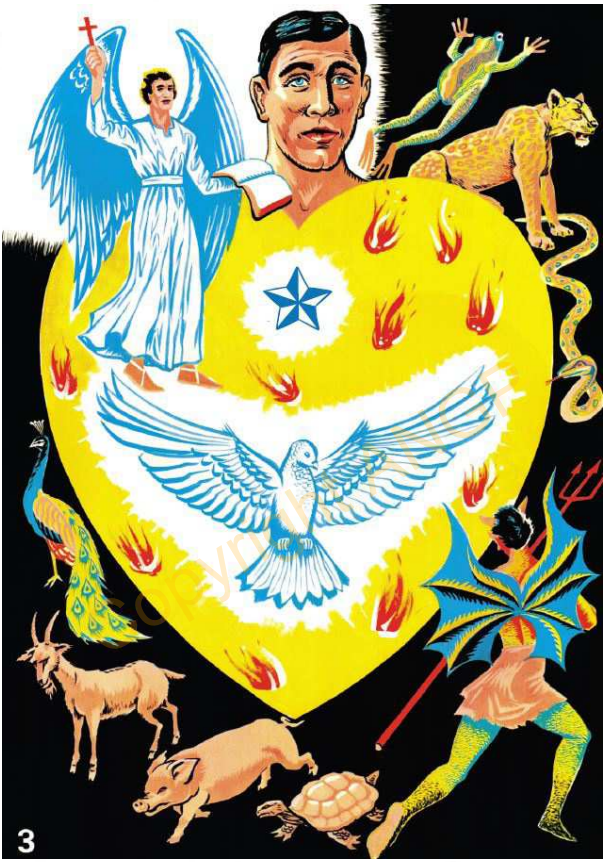

पश्चातापी दिल

ईशु के प्रेम में मिलते हुये देखता हैं । यह प्रेम उसके हृदय को पिघलाता हैं ।विशेष कर उस समय जब वह जानता है कि प्रभु ईशु उसके पापों को हरने के लिये आया हैं ।वे उसके लिये एक पापी वृक्ष पर भी मरने को तैयार हैं । दरसअल ईशु हमारे पापों के कारण क्रॉस पर हाथों व पैरों में कीले ठुकवाकर सिर पर कॉटों का सेहरा पहनकर मर गये हैं । हर एक पश्चातापी व्यक्ति इस बात को जानता हैं । वह प्रभु के वचनों को पढ़ने से उसे अपना रूप स्पष्ट दिखाई देता हैं । उसे पता चलता हैं कि वह प्रभु से कितना दूर हो गया हैं ।वह उसके वचनों को कहॉ तक पालन कर रहा हैं । वह दुःखी होकर ऑसुओं से जीसस की प्रार्थना करता है मुझे अपने पास खिंच लो । ईश्वरीय प्रेम और शन्ति उसके दिल में प्रवेश करती हैं । तब वह सोचता हैं । प्रभु ईशु का खून हमारे सभी पापों को साफ करता हैं । (१. जान १:७) ईश्वर भग्न हृदयों में प्रवेश करता हैं । और एक दिव्य आत्मा उसकी रक्षा करती हैं ।(पास्लाम ३४:१२) पुनः प्रभु वचन घोषित करता हैं । ऐसे व्यक्ति को चाहे वह गरीब ही क्यों न हो उसकी देखभाल करता हूँ जो मेरी वाणी पर कॉपता हैं ।(आइसक ६६:) पवित्र आत्मा जीसस के शब्दों को गुनगुनाती हैं । हे पुत्र पुत्रियों खुश रहो तुम्हारे पापों को माफ कर दिया जायेगा । वह क्रॉस की ओर देखने से उसे पता चलता है कि जीसस का खून उनके पापों को भी गल्तियों को ले रहा हैं और ईशु का जन्म हमारे दुःख और अपराधों और पापों को दूर करने के लिये हुआ हैं । हमारे अपराधों के लिये उन्हें घायल किया गया ।... .....(ईसा ५३)

दिव्य आत्मा और प्रभु प्रेम हमारे हृदय को अपने वश में ले लेता हैं । जैसे ही विश्वास के साथ क्रॉस की ओर देखते हुये उसे अनुभव होता हैं कि उसके सभी पापों को दिलासा देता हैं कि ईशु का रक्त देव पुत्र और उसके सभी पापों को साफ कर रहा हैं ।(१ जान १:७) वह खुश है कि ईशु में उसका विश्वास खत्म नहीं होगा उसे अमरता मिलेगी । (जान ३:१६) उसके लिये ईशु कहते हैं ।

पापों को साफ कर दिया गया हैं । और वे उनके दया के पात्र हैं वासना काम से भरा हुआ यह शरीर अब ईश्वरीय प्रेम के लिये व्याकुल हैं । और उस सेवा के लिये प्रस्तुत हैं जो सबसे पहले प्यार करता हैं इस संसार में प्रेम करने के बदले ईश्वर से प्रेम करने लगता हैं ।

इस प्रकार इस तस्वीर में पशु पाप के प्रतीक हैं । जो अब दिल के बाहर हैं । फिर भी शैतान अपने घर भागने उस आदमी को छोड़ना नहीं चाहता हैं ।वह पीछे मुड़ कर देखता हैं और जगह पाना चाहता हैं ।इसलिये प्रभु ईशु हमें चेतावनी देता हैं कि हम देखें और प्रार्थना करें जिससे शैतान या पाप बुद्धि हम से दूर भागे ।

(४) चौथा तस्वीर

इस चित्र में उस ईसाई का वर्णन है । जो ईसा के त्याग और बलिदान से पूरा शन्ति प्राप्त किया हैं । इसलिये उस ईसा के प्रकाश का वर्णन करता हैं । उससे अधिक कुछ नहीं हैं । हे ईसा हमारी रक्षा करो जिसने संसार भर के सभी पापों अपने में ले लिया हैं ।(गाल ६) ईसा

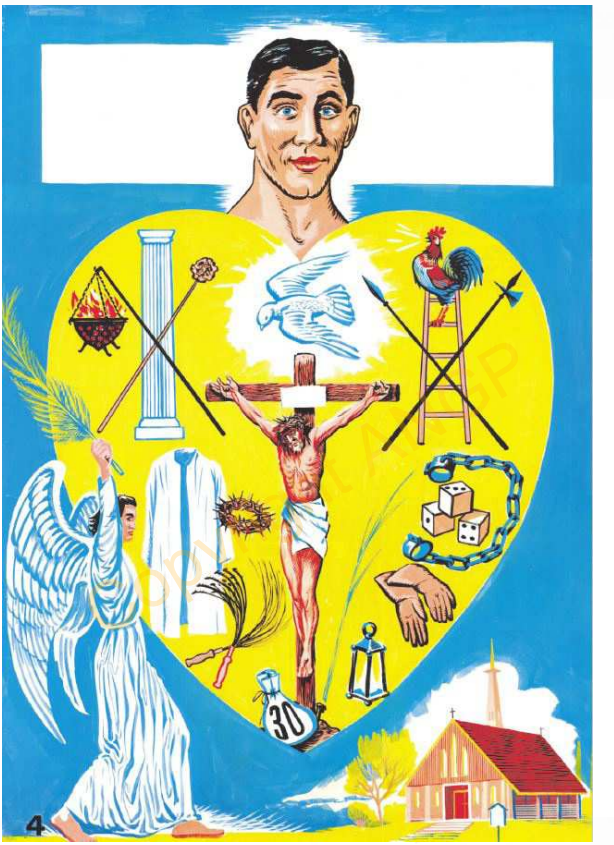

क्रास के साथ ईसा मसीह

क्रॉस पर मर गये और हम भी पाप को मार डालें और अच्छे काम के लिये जिंदा रहें । (१.पीटर २:२४) एक ईसाई इस संसार में क्रॉस पर लटकता हैं ।पापों को धोने के लिये । हम लोगों को आदेश हैं । आत्मा की आवाज सुनो काया काम के अपना जीवन नहीं हैं ।जिस खम्बे पर प्रभु ईशु को लटकाया गया उनके कपड़ो को निकाल दिया गया जो इस चित्र में हैं । जिस डंड़े से उन्हें क्रूरता के साथ घायल किया गया था वह इस दिल के चित्र में हैं । उन्हें हमारे कारण मारा गया क्योंकि हमारी शन्ति या अमन उनको दंडित करने पर आधरित था । हिराड़े और उनके शिष्यों ने उनकी हॅसी उड़ाई । उनको पीटने के बाद एक कॉटों का ताज उनके सिर पर गाड़ कर दाहिने हाथ में एक तीर देकर राज्याधिकारी के आगे सिर न झुका कर प्रभु ईशु के आगे सिर झुकाये और उनकी हॅसी उड़ाये कहे हे यहूदियों के राजा । उनके सिर पर अण्ड़े फोड कर और उस तीर को उनके हाथ से छीन लिया और उस तीर से सिर पर मार कर निर्लश हॅसी हॅसते हुए ले जाकर शूलो पर चढ़ाये ।

वहॉ कई और ईसाई थे जो गिरजाघरो में प्रार्थना करते रहें प्रभु ईशु के कष्टों के हिस्सेदार बने प्रभु गीतों को गाय परन्तु उनके बुरे काम उन्हें कष्ट पहुॅचाते रहें । केवल प्रभु- प्रभु कहने से स्वर्ग में नहीं पहुॅचते परन्तु प्रभु इच्छा से जन्नत में पहुॅचते हैं । (माट ६:२१-२७)

इस तस्वीर में हम देखते हैं कि झूठा धन की थैली हैं । जिससे ईसा को बेचा केवल तीस चॉदी के सिक्कों के लिये । क्योंकि पैसों के लोभ ने उसके दिलों -दिमाग पर कब्जा कर लिया और उसे

Copyright ANGP

अंधा बना दिया । लालटेन लोहे के सांकल आदि हमें बताते हैं कि ये सब उस बन्दी ईसा के लिये प्रयोग किया था । सिपाहियों द्वारा प्रयोग किया गया पासा खेलने का गिलास हैं ।जो जुआ में खेला जाता हैं । जुआरी उनके कपड़ों पर भी पासे का गिलास फेंके इस प्रकार ईश्वर के वचनों को पूरा करके कहा वे मेरे वस्त्रों को लिये और मेरे पदचिन्ह उनके लिये अधिक मूल्यवान हैं ।(पासालाम् पास्लम २२:१८) वे सभी कुछ ईसा से ले लिये परन्तु वे स्वयं इन्कार किये कहे हम लोग उस आदमी के शासन को स्वीकार नहीं करेंगे ।

दरसअल मानवता ईश्वर से सब प्रकार का वर पाना चाहती हैं । वर्षा सूर्य किरण आदि परन्तु वह ईश्वर के अधिन नहीं रहना चाहती । कई लोगों के लिये प्रभु ईशु केवल कठिनाईयों में सहायता करने लिये हैं । दुःख में सांत्वना देने के लिये हैं ।

भाले से सिपाहियों के प्रहार पर ईसा के बगल दिल में वहॉ एक पानी और खून दोनों हीं बाहर बह निकले ।(जॉन १९-३३-३७) कौवा के कॉव से पहले पीटर तीन बार जीसस को नहीं कबूला परन्तु बाद में बहुत रोया पश्चाताप् किया । क्या तुम ईसा से अपने कान और वचन से मान रहे हो । या लोगों के सामने तुम्हें ऐसा करने में शरम लग रही हैं । ईसा ने कहा जो भी मेरे और मेरे साथियों के सामने अपनी गल्तियों को कबूल करेगा उसके लिये में परपपिता परमेश्वर के सामने कबूल करूँगा । जो मेरे सामने अपने दोषों को स्वीकार नहीं करता हैं । उसके लिये मैं ईश्वर से प्रार्थना नहीं करूँगा । (माट १०:३२:३३) ईसा ने कहा जो इस शूली या क्रॉस को नहीं मानता हैं । मेरा अनुकरण करता हैं । वह मेरे योग्य नहीं हैं । (माट १०:३८) वे हो

Copyright Web

योग्य हैं ईश्वरीय वर से पूरित हैं जो ईसा के साथ पत्थर पर खड़े हो सकते हैं ।

पत्थर का युग खड़े हो पौधे रह गया
मुझे तुम में छिप जाने दो
मेरा खून और पानी
जो साथ-साथ बहता हैं ।
लोगों के पापों को धोने दो
शक्ति और दोष को साफ करने दो ।

इस चित्र में ईसा की कृपा से एक पवित्र आत्मा के हृदय को दिखाया गया हैं अब यह परमपिता पुत्र और पवित्र आत्मा का मंदिर बन गया हैं । प्रभु ईसा के वचन के अनुसार अगर आदमी मुझ से प्रेम करता हैं । प्रभु के वचनों का पालन करता हैं तो परम पिता परमेश्वर उससे प्रेम करेगा वह उसके पास जायेगा ओर हमारा धट वह उससे अच्छा बनेगा । (जान १४:२३) ईश्वर ईसा के द्वारा उस आदमी को आर्शीवाद देगा आदर करेगा ऊँचा उठायेगा ।

अब हृदय ईश्वर का मंदिर बन गया हैं । पाप को दूर भगा दिया गया हैं । शैतान के रूप में जो कई जानवर उस पर कब्जा किये हुये थे । परम पिता वहाँ निवास करता हैं । सत्य की आत्मा घर कर गयी हैं । पाप की कुर्सी जिस हृदय में हैं अब वह एक सुंदर बगीचा और सुंदर फल देने वाले वृक्ष के रूप में हैं जो अब प्रेम खुशी शांति दया सहानुभूति सज्जनता अच्छाई विश्वास सहिष्णुता नम्रता का फल दे रहीं हैं जो प्रभु और मनुश्य को प्रसन्न करने वाले हैं । अब ह फल देने

वाली शाखा बन गयी हैं । प्रभु ईसा और उनके वचन उसमें हैं (जान १५:१; १०)

वह पवित्र आत्मा द्वारा पवित्र किया गया हैं । काम ओर वासना पर वासना पर विजय पा लिया हैं । उस बूढ़े को शूली पर डाल दिया गया हैं । पवित्र आत्मा के सहारे वह आत्मा की आवाज को बल देता हैं और इंद्रियों पर विजय पाता हैं । वह ईसा के वचनों में विश्वास रखता हैं वह इस संसार की गति से कोई संबंध नहीं हैं । वह इस संसार रूपी आर्कषणों पर विजय प्राप्त करता हैं वह ईसा को प्राप्त करने की इच्छा से जिंदा रहता हैं ।वह केवल प्रभु के लिये जीता हैं और ईश्वर उसे अमर स्थान देता हैं । जो हृदय से साफ रहते हैं वे ही प्रभु को देखते हैं ।(माट ५:८) डेविड राजा अपने बेशुमार धन दौलत ऐश्वर्य शत्रुओं पर विजय पाकर भी वह अपने अंदर की लड़ाई से परेशान था और दिल के अंदर हर समय पश्चाताप् करता था और प्रार्थना करता था । मेरा हृदय साफ रहे हे प्रभु मेरे अंदर एक नया और उचित आत्मा को भेजो ।(पास्म ५१:१०) कोई भी अपने दिल को साफ नहीं कर सकता हैं । उचित पश्चाताप् द्वारा ही साफ हो सकता हैं । ईश्वर ही एक नये और पवित्र दिल को दे सकता हैं । केवल चीथड़ों को जोड़ने से हृदय ईश्वर के रहने का स्थान नहीं बन सकता है । वह केवल उसी को सहायता कर सकता हैं जो उसे वचन देता हैं तब मैं उस पर साफ पानी को छिड़क कर तुम्हें स्वच्छ कर सकता हूँ । एक नये दिल को दूँगा नयी आत्मा तुम्हें दूँगा । तुम्हारे पत्थर और काले दिल को मैं

Copyright FMCN

पांचवा चित्र

यह उस पापी मनुष्य के धोये और पवित्र किये हृदय तस्वीर है जब वह परमेश्वर के अनुग्रह और दया के बहुता से बचाया गया है। यह हृदय अब परमेश्वर का सच्चा मं और त्रिएक परमेश्वर अर्थात् परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्रा का निवास स्थान बन गया है, जैसा कि यीशू ने प्रतिज्ञा थी कि "यदि कोई मुझसे प्रेम रखे, तो वह मेरे वचन को मा और मेरा पिता उससे प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आ और उसके साथ वास करेंगे" (यूहन्ना 14.23) । परमेश यीशू मसीह के द्वारा दीन मनुष्यों का आदर करता, आश देता और उन्हें ऊपर उठाता है" (लूका 1.52)

अब यह हृदय परमेश्वर का सच्चा मन्दिर बन गया पाप उसके हृदय से दूर किया गया है शैतान जो झूठ का पि है, उसके द्वारा प्रभावित विभिन्न जानवरों के बदले अब पवित्रात्मा और सत्य की आत्मा को उसके हृदय में वास क और राज्य करते हुए देखते हैं।

पाप का घृणित निवास स्थान होने के बदले अब उस हृदय सुन्दर फलदायी बगीचा के समान बन गया है, जिस आत्मा के फल अर्थात् प्रेम अनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भल विश्वास, नम्रता, संयम तथा दीनता के फल लगते हैं परमेश्वर और मनुष्य को भाते है। अब वह सच्ची दाखलता यीशू मसी हैं' उसका फलदायक डाली बन जाता है।

Copyright ANGF

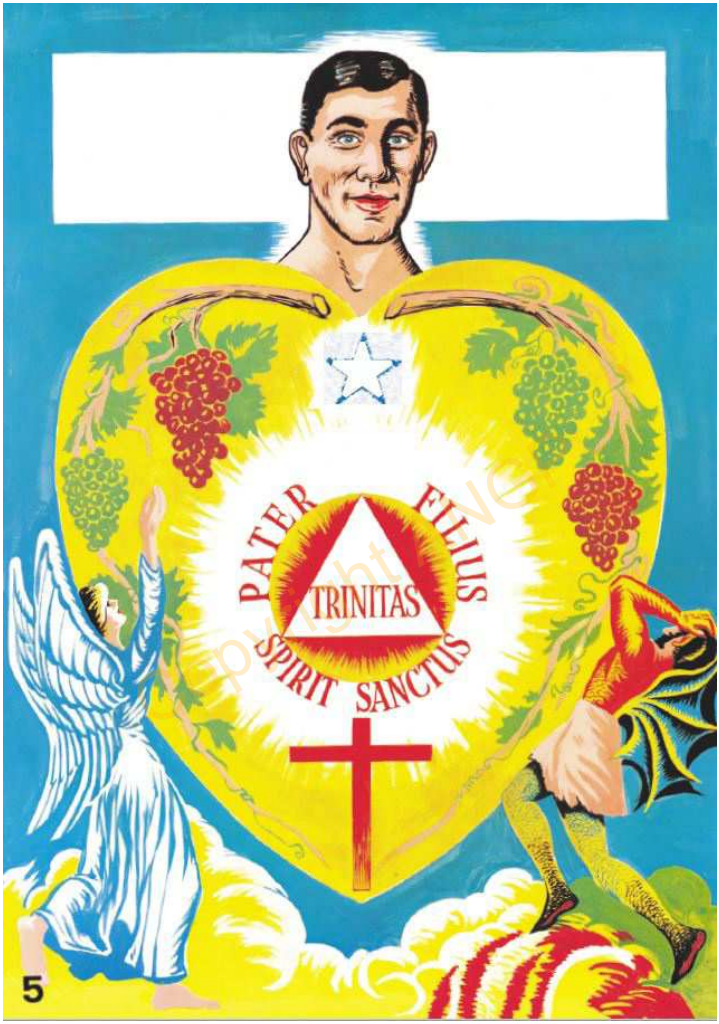

खुदा का दरगाह

ले लूँगा और तुम्हें मेरे मूर्ति के पास ले जाऊँगा और निर्णय वाले दिन तुम्हारी सहायता करूँगा । (आइजक ३६:२५:२७) यह न्यू टेस्टामेंट का अर्थ है जिसे ईसा के खून से ईश्वर ने बंद कर रखा था ।

इस चित्र में देवदूत फिर से दिखाई देती हैं । देवदूत उस व्यक्ति को अमरत्व देने का संदेश देती हैं । वह उसे हर समय याद दिला कर भयभीत करती हैं कि उसे प्रभु से डरना चाहिये ।(पास्म ३४:७ ; ६१:११ ; जान ६:२२ ; माट २:१३ ; १३:३६ ; एकटम ५:१६ ;१२:७-१०)

इस चित्र में शैतान को भी दिखाया गया जो दिल के समीप खड़ा हैं । अक्सर की खोज में हैं । कब समय मिले कि दिल के अंदर घुस पड़ूँ । इसलिये हम लोग प्रार्थना करते हैं बुरे समय में शैतान के सिहं के गर्जना की तरह प्रवेश करने के लिये प्रयत्न करता हैं । (१ पीटर ५:८) कभी -कभी वह देवदूत के रूप में हमें धोखा देने का प्रयत्न करता हैं । किन्तु निग्रह से हम उससे दूर हो सकते हैं । (जेम्स ४:७)

Copyright ANGR

(६) छटवां चित्र

इस चित्र में एक बुरे काम करने वाले का बुरा चित्र हैं । एक बन्द ऑख दिखाती है कि वह ईसाई जीवन से ठंड़ा व सुप्त हैं दूसरी ऑख बेशरम होकर इस सांसारिक आर्कषणों से प्रेम करती हैं । अपने अंदर का उजाला मंद होता हैं । उसके हृदय के अंदर के चिन्ह ईसा के साथ दुःचा झेलने को प्रस्तुत हैं वह पतन की ओर हैं । वह उचित मार्ग

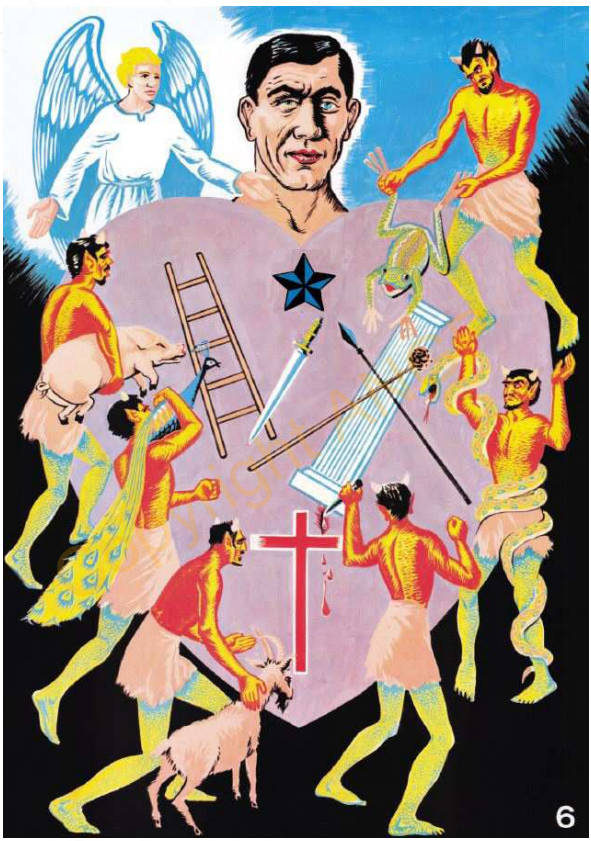

मोही और विभक्त हृदय

से नहीं चल रहा हैं । वह उत्तेजनाओं से घिरा हुआ हैं वह उनसे लड़ने के बजाय उनके अधिन हो रहा हैं वह भगवान् की आवाज सुनने के बजाय वह उततेजन वासना के वचनों को सुन रहा हैं । फिर भी वह गिरजाघर जाता हैं ओर धर्म की आड़ में सांसारिक इच्छाओं को छिपाता हैं इस प्रकार उसका मन दोहरा हो जाता हैं और दो विचार धाराओं के मध्य ठहरता हैं । वह संसार की ओर झुकता हैं और झुठलाता हैं कि वह ईश्वर से प्रेम करता हैं जो तारा उसके दिल में हैं उसका प्रकाश क्षीण होता हैं । क्रॉस को वह खुशी से नहीं लेता हैं । वह वह उसे अनच्छित और भारी लगता हैं । उसका विश्वास टूटता हैं । वह प्रभु से उस आत्मीयता के साथ प्रार्थना नहीं कर पाता हैं । इस तरह वह दिल की आवाज को दबा कर कात वासनाओं और इंद्रियों की पाश में आ जाता हैं । वह इस सांसारिक विषयों में अधिक प्रसन्न रहता हैं और प्रभु के अनुयायियों के साथ खुश नहीं रह पाता हैं ।

मोर की आत्मा घमंड को सूचित करती हैं और दिल में प्रवेश करने का प्रयास करती हैं वह यह भूल जाता हैं कि वह प्रभु कृपा द्वारा ही दूतता पवित्र हुआ एक घमंड़ी ईसाई बन जाता हैं । मद प्रवेश करने का प्रयत्न करता है । किसी मित्र के साथ या कभी - कभी शराब पीने से कोई नुकसान नहीं हैं । उसका आध्यात्मिक जीवन में कोई फरक नहीं पड़ता हैं । काम वासना घर कर जाता हैं ।इसी कारण वह बेहूदे मजाक को पसंद करने लगता हैं ।

इस तरह बुरे चित्र बुरे विचार और नाच घर इस दुनियां की रंगरलियों में अपना मन डुबा लेता हैं । ये सब नसीहत शैतान से मिलती हैं जो बतलाता है एक पाप कोई पाप नहीं हैं ।

वास्तव में इस प्रकार जंगली विचार रूपी पक्षियों को घर करने से हमारा हृदय दूषित हो जाता हैं और हम बुरे काम करते जाते हैं ।अगर पाप को हम एक अंगुली दिखाते हैं तो वह पूरा हाथ पकड़ लेता हैं और अन्त में दिल पर कब्जा करके उसे जइन्नुम बना देता हैं । इसलिये भगवान् की चेतावनी हैं कि तुम काम विषय वासना से दूर रहो कोई पाप काम मत करो । तुम विजेता ईसा के पास जाओ ।

इस चित्र में तलवार के द्वारा हृदय को घायल कर रहा है इसका अर्थ है जो ईसाई धर्म के विरोधी एवं मजाक उड़ाने वाले में हैं । वे अपने बुरे जुबान और मजाकिया होंठो से ईसाईपन को नुकसान पहुँचाते हैं और ईसाइयों के दिलों को घायल करते हैं । यह आघात दोहरे व्यक्तित्व वाले लोग नहीं सह सकते हैं । वे ईश्वर से अधिक मनुष्य से डरत हैं और लोगों के गुलाम बन जाते हैं और धीरे-धीरे ईश्वर से दूर हो जाते हैं गुस्सा और बुरा विचार उन्हें मुश्किलों और असफलताओं के बीच छोड़ देता हैं । वे दिल में घर कर जाती बुरा ईर्ष्या एक बुरे सर्प के रूप में दिखाई देता हैं जब लोग उन्नतिशील होते हैं । उनके बिना जाते ही घृणा और घमंड़ को जन्म देती देकर दिल में प्रवेश करने का प्रयत्न करती हैं ।

धन दौलत से प्रेम करना बहुत आसान हैं ओर मनुष्य के अंदर घर कर जाती हैं । यही ईसा हमें बताते हैं । देखो और प्रार्थना करो वह तुम्हारे आवेशों को प्रवेश न करने दे (माट २६:४१) इसलिये उसे सोचने दो और उसके वश में न हो जाय ।(१ कार १०:१२) हर लोग प्रभु के संपूर्ण बल और हथियारों के साथ शैतान का सामना कर रहें हैं ।(ईपी एच ६:११:१८)

(७) सातवां चित्र

इस चित्र में एक बुरे दिल की दशा का वर्णन करता हैं । जो एक बार भगवान् के अनुगंह से प्रकाशित हुआ और फिर पवित्र आत्मा ने उसे अपने वश में कर लिया । यह चित्र आदमी के उस दशा का वर्णन करता हैं कि वह कभी भगवान् के सामने अपने को समर्पण नहीं किया और कभी पश्चाताप् नहीं किया हैं फिर भी देवदूत ने उसे अच्छी सूचना के रूप में प्रकट किया । इस प्रकार उसका हृदय कश हो जाता हैं वह प्रभु से प्रार्थना करने पर भी वह बहुत बुरा बन जाता हैं उसके सभी प्रयत्न बेकार होता हैं ।

बुरे विचार से पूछ कर खुद ईसा ने उसकी दशा का वर्णन किया हैं जब गंदी आत्मा निकल जाती हैं और जब वह किसी को नहीं पाता हैं तो मैं अपने घर लौट जाता हूँ और जहॉ से मैं निकला था । जब मैं वापस लौटता हूँ तो अपे साथ- साथ और बुरी आत्मा को लेकर आता हूँ । उस समय अगर किसी आदमी में प्रवेश करता हूँ तो उस आदमी की दशा और भी खराब हो जाती हैं । लूक (११:२४.२६) यह दशा उसी प्रकार की है जिस प्रकार कुत्ता स्वयं के कर लेता है । जिसे उस दशा में खा लेता है । (२ पीटर २:२२)

ये ग्रंथ पश्चाताप हीन हृदय और बुरे विचार वाले व्यक्तियों की दशा का वर्णन करते है । बुराई या पाप अपने सभी दनोखा पूर्ण अस्त्रों को साथ उसके दिल में निवास करने के लिये आ जाती है । उसका चेहरा हॉ बता देता है उसके दिल को क्या दशा है वह पवित्र आत्मा अच्छा कबूतर उसके हृदय को छोड़ने के लिये मजबूर होता है क्योंकि पापात्मा और पवित्र आत्मा एक साथ दिल में नहीं रह सकता

Copyright ANGP

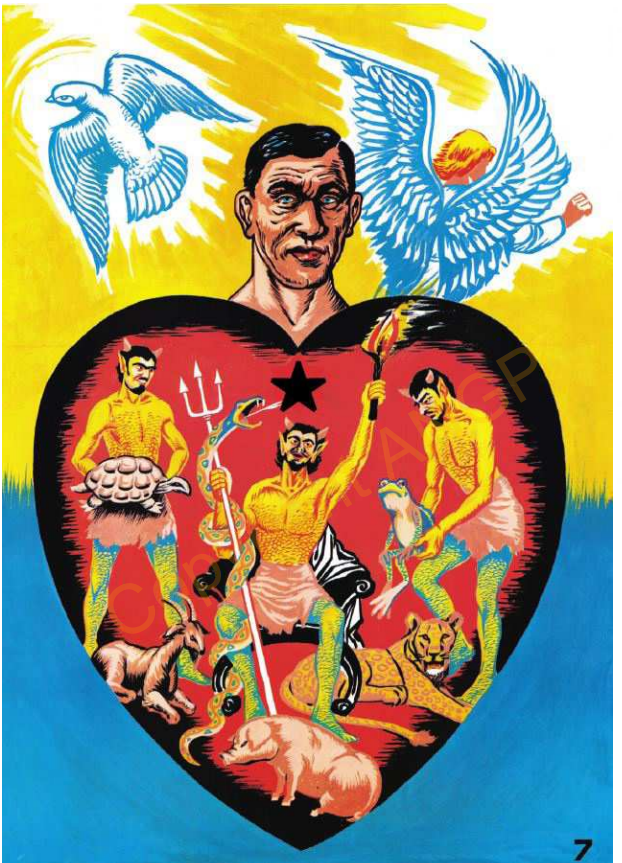

काला दिल और कड़ा दिल

है । यह असंभव है कि एक ही हृदय भगवान का मंदिर और शैतान का घर नहीं बन सकता है ।

देवदूत और प्रभुवचन पीछे मुड़ कर देखते हैं कि वे उस आदमी में पुनः प्रवेश करने का अवसर मिलेगा । वह किस देवपुत्र की तरह पश्चाताप करेगा । जो धूमिल प्रकाश उसके दिल और पेट में है । जिसे कोई आदमी नहीं दे सकता है । वह अपने आप खाता है और कहता है कि मैंने पाप किया है । मैं आपका पुत्र कहलाने लायक नहीं हूँ ।(लूक १५:१८) परमपिता अपने पुत्र को पश्चाताप करते हुए देख कर उठाता है और क्षमा करता है ।

इस दिल में पश्चाताप का कोई चिन्ह नहीं है । प्रभु की ओर आकर्षित भी नहीं है । ईसा के चरणों में माफी मांगने की इच्छा भी नहीं है । उसकी अंतरात्मा गर्म लोहे की तरह है । पर वह प्रभु की ओर मुड़ता है । उसके कान ईसा की आवाज को नहीं सुनते है उसकी ऑखें नरक के अंध कूप जो उसके पैरों के पास है नहीं देख सकती है ।उसके पाप करने में कोई शर्म नहीं है शैतान आकर उसके दिल में शासन कर रहा है । वह बाहर से देवदूत अच्छा आदरणीय और धार्मिक व्यक्ति वाले रूप की तरह दिखाई देता है ।

परंतु अंदर से एक भरा हुआ आदमी के हड्डियों का ढांचा है जो बहुत ही गंदा है । (माट २३:२६) परमपिता सत्य की आत्मा की जगह लेती है । प्रत्येक पशु एक पाप जो एक राक्षस और बुरी आत्मा से उसके दिल में जगह लिया । वह इन बुरे विचार और दैत्य से मुक्ति पाना चाहता है । परंतु वे उसे नहीं छोड़ते है । वह मोसेस की तरह जो केवल एक दो साक्षी के सामने मौत को प्राप्त हुआ जो देवपुत्र उसके बहे हुए खून से उसके बुरे काम धुल गये ।

Copyright ANOP

वह आत्मा की कृपा से वह घृणा का पात्र नहीं है । (हिब्रू १०:२८;२९:२ पीटर २:१:१४)

यह चित्र तुम्हारे दिल की दशा का वर्णन करता है । मेरे प्रिय साथी बिना ककिसी देरी पूरे दिल से प्रभु की प्रार्थना करो । उनके पास शेओ । वे ही तुम्हारी रक्षा कर सकता है । अगर तुम पश्चाताप कर रहे हो । वह शेतान राक्षस और उसके सभी अतिथियों को तुम्हारे दिल से बाहर कर सकता है । एक कोही की तरह तुम्हारे पास आता है । ईसा ने कहा मैं तुम्हें साफ करूंगा अगर तुम अपने दिल को बुरे क़ामों और अंधकार से भरा रखना चाहते हो तो तुम जीवन को छोड़कर मृत्यु को चुन रहे हो । पाप कभी क वेतन मृत्यु है । (रोमन ६:२३)

(८) ऑठवा चित्र

इस चित्र एक पापी अपने पापी दिल को लेकर मृत्यु की ओर जा रहा है । उसकी आत्मा मृत्यु से डर रही है । उसे बहुत कष्ट होगा । मृत्यु एक अचानक और समय से पहले आयी है झूठे सुख जो पाप से मिले वे सब चले गये अब भयंकर सच्चाई और पाप को फल भोलने को हैं नरक के दुःखों उसे भोगना पड़ेगा। किंतु अब वह प्रार्थना करना चाहता हैं । वे प्रभु से संबंध बनाये रखना चाहता हैं । उसके पहले के मित्र उसके पास खड़े होना नहीं चाहते उनके शब्द अब उन्हें किसी तरह भी सहायता नहीं कर सकते उसके बुरे कर्मों के फल न उसके जीवन को बढ़ा सकते हैं न उसकी आत्मा का उद्धार कर सकतें हैं ।न

Copyright ANSF

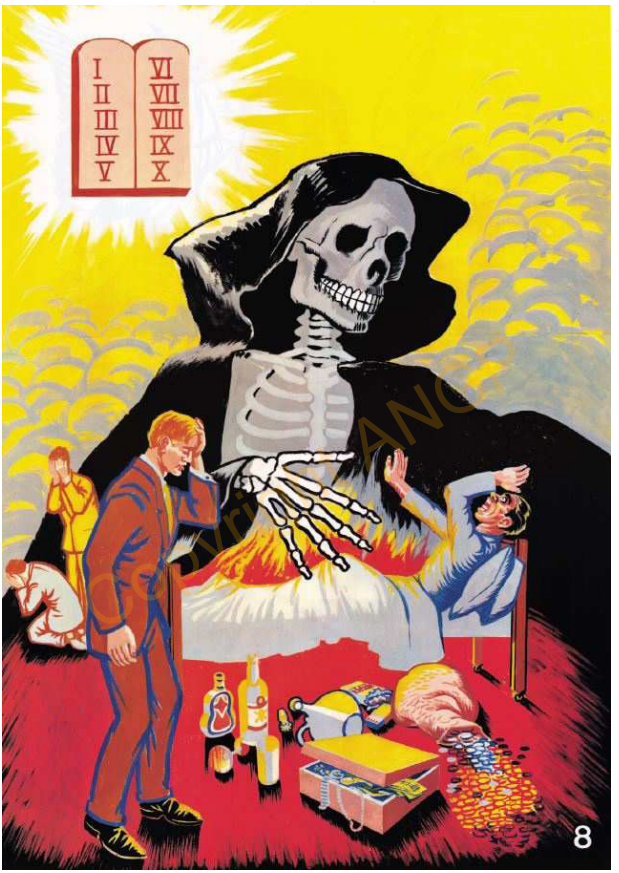

पापी कक्ष

उसके दुःख को बॉट सकते हैं । अब दैत्य उसे किसी भी तरह प्रभु के ध्यान में नहीं रहने देता हैं ।

जिसे वह पहले चाहा प्रेम किया अब उसके अविश्वसनीय जीवन की हॅसी उड़ा रहा हैं।भगवान् की कृपा उस पर से उठ गई हैं वह सबसे बिछुड़ा हैं या निर्वासित हैं । वह सोचने लगता हैं कि भगवान् के हाथों में जाना था । प्रभु की शरण में जाना भयंकर हैं । (हिब्रू १०:३१)उसका उद्धार एक गोपालक जो ईसाई नहीं हैं । कर नहीं सकता हैं । वह ईश्वर के साथ अपने अच्दे बुरे कर्मों के फल को निश्चित करेगा । परन्तु अब यह बहुत देर हो गया हैं । हजारों लोग बिना किसी प्रभु का ध्यान का माका पाये मर जाते हैं । इसलिये जब समय मिले तभी प्रभु ध्यान करना चाहिये । प्रभु वचनों को सुनने कहने बचाने के बजाय मृत्यु के समय पापी न्याय की आवाज को सुनता हैं । अपने रक्षक जिसको जीवन भर दूर रखा हैं । कहता है मुझसे दूर हो जा तुम दैत्य और उसके दूतों से मिलने को तैयार हो जाओ । (माट २५:४१) यह निश्चित है कि मनुष्य मर जाते हैं । न्याय के बाद (हिब्रू ८:२७)

(६) नवां चित्र

इस चित्र में एक ईसाई के बारे में वर्णन हैं जो सहनशीलता आवेगों के चंगुल में हैं । वह ईसा के सहारे पूरे जीवन भर आवेगों से भरा होने पर अंत कष्ट सहने को तैयार रहता हैं । वह केवल ईसाई मन में ही प्रवेश नहीं करता पर उसकी रक्षा करता हैं सहनशीलता के साथ दाये बाये बिना देखे बिना किसी तर्क के उसे आगे बढ़ाने का

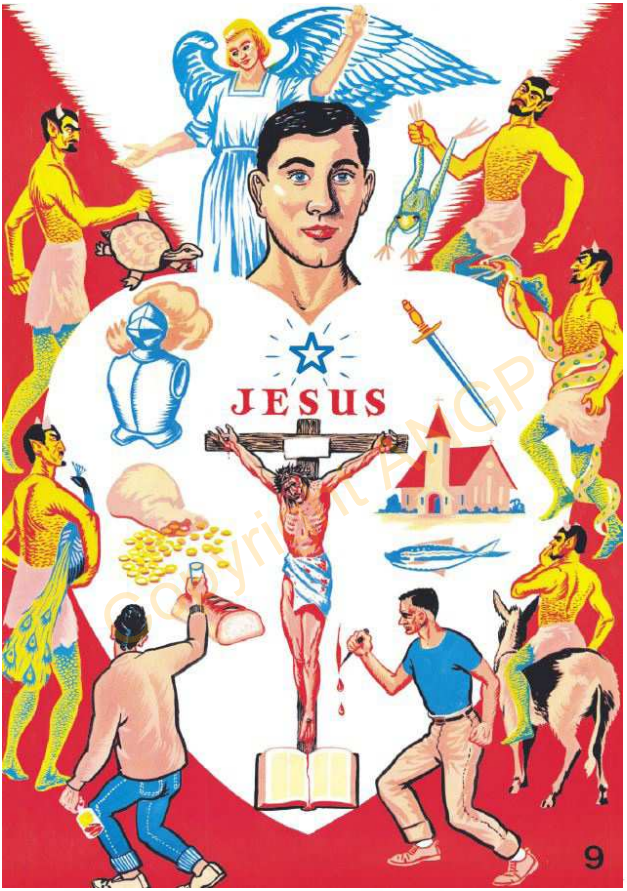

विजयी हृदय

प्रयत्न करता हैं । वह ईसा तक सृजनकर्ता धर्म के विश्वास तक । (हिब्रू १२:;१;२) शैतान अपने साथियों के साथ उसे प्रभु से दूर भटकाने का प्रयास करता हैं । धन का प्रेम घमंड अनैतिकता का राक्षस और अन्य शक्तियों को भी दिखलाया गया है । चीता की जगह पर गदह है ।जो पाप के विभिन्न रूपों में मनुष्य के शरीर में प्रवेश करता हैं । एक सतर्क ईसाई पाप को धर्म के आवरण में भी पहचान जाता हैं और प्रभु वचनों को दान के प्रकाश के द्वारा सत्य की आत्मा की ओर बढ़ता हैं । एक आदमी हाथ में शराब का प्याला लिये उसके चारों ओर नाचता हैं उसे इस दुनिया के रंगरलियों और खुशियों की ओर खींचता हैं ।परन्तु जो सच्चा ईसाई हैं ।वह इन सब प्रयत्नों को निराश करता हैं उसे क्रॉस या शूली और ईसा से दूर नहीं कर सकता हैं ।

दूसरा आदमी इस ईसाई को तलवार भोंकता हैं । बुरा कहता हैं पीछे से काटता हैं हॅसी उडाता हैं डराता हैं । प्रभु के शत्रु उसे हर प्रकार से उसके दिल पर आघात करते हैं । परन्तु वह उनके लिये मर चुका हैं । वह उनके वचनों को ध्यान से सुनता हैं वह ईसा के वचनों को याद करता हैं । तुम धन्य हो चाहे जितने भी मुझसे दूर करने के प्रयत्न किये हैं शैतान के सभी प्रयत्नों को निष्फल किया मुझे प्रयन्नता हैं । स्वर्ग में इसके लिये तुम्हें पुरस्कार मिलेगा। (माट ५:११;१२)

पाप जो मॉस या शरीर के द्वारा होता हैं । ईसाई को ईश्वर से दूर करने का प्रयत्न करता हैं । वह आत्मा विश्वास और प्रसन्नता के साथ कहता हैं । मुझे कौन ईशु प्रेम से अलग कर सकता हैं ? कष्ट दुःख दुभिंक्ष मारने नग्नता तलवार और विपत्ति मुझे ईसा से दूर नहीं कर सकती हैं ।(रामन ८:३५)उनके प्रेम से मैंने इन सबको जीत लिया

Copyright ANCF

हैं । (रोमन ८:३७) दैवी शक्ति से ईसा की कृपा से मैंने अपने इंद्रियों पर विजय पा लिया हैं । प्रभु की सहायता से गौरव होगा ।

बुद्धि का तारा साफ और प्रकाशमान हैं । उसका हृदय विश्वास और पवित्र आत्मा से भरा हैं । देव परी उसे प्रभु वचनों को याद दिलाती हैं और जिसकी सहायता से वह सभी कष्टों को अन्त तक सह सकता हैं "उसके लिये मैं जीवन रूपी पेड दूँगा जो ईश्वरीय बगीचे के रूप में बढ़ेगा । वह दूसरी बार मृत्यु से दुःखी नहीं होगा । उसको मैं खाने के लिये दैवी भोजन दूँगा एक सफेद पत्थर दूँगा । जिस पर का एक नया नाम लिखा होगा ।और जो अन्त तक मेरा काम करता रहेगा उसे मैं दैवी शक्ति दूँगा । मैं उसे श्वेत वस्त्र दूँगा और उस परमेश्वर के समक्ष उसका नाम कब लूँगा उसके लिये भगवान् के मंदिर में एक स्तंभ बनाऊँगा और वह और कहीं नहीं जायेगा । "उसके लिये मेरे सिंहासन में उसको जगह दूँगा वह मेरे पिता के साथ सिंहासन पर बैठेगा ।" (रेव २:७;१७:२६; ३:५;१२:२१)

खुला हुआ पैसों का थैली चित्र में सह दिखलाता हैं कि उसका हृदय हो नहीं उसका धन जो भगवान् के लिये है वह सांसारिक वस्तुओं पर धन खर्च करने के बजाय गरीबों की सहायता के लिये और अपने आय का दसवाँ हिस्सा भगवान् के भक्तों के लिये और ईश्वर की महिमा के लिये खर्च करता हैं ।

रोटी का टुकड़ा और मछली यह बतलाता हैं कि वह सादा और सरल जीवन बिता रहा हैं । वह मंदकारी भोजन पेय अशुद्ध भोजन लोगों का खून नहीं खाता हैं । वह अपने धन का अपव्यय नहीं करता हैं । अपने शरीर को धूमपान सिगरेट हानिकारक औषधि शराब आदि से नहीं

Copyright ANGP

कलुषित करता हैं और वह अच्छा स्वास्थ्यकर भोजन करता हैं । उसका हृदय प्रार्थना मंदिर बनता हैं वह सभी मौसम सभी दशाओं में गिरजाघर की सेनाओं में भी भाग लेता हैं वह प्रार्थना से प्रेम करता हैं । चाहे वह परिवार में हो वह अपने घर के कमरे में हो वह भगवान् के बिना नहीं रह सकता हैं ।

खुशी वाली किताब बाईबल हैं । वह रोज उसे पढ़ता हैं ।उसे विवेक बुद्धि बल जीवन प्रकाश और अनकही संपदा पाता हैं वह पुस्तक उसके लिये दिया और शत्रु से सामना करने के लिये तलवार बन गया हैं ।आत्मा के लिये आध्यात्म भोजन और प्यास बुझाने के लिये पानी अपने को साफ करने के लिये जल और अपने को देखने के लिये आइना हैं ।

वह शूली या क्रॉस को अपने साथ ले जाना चाहती हैं । वह साचता हैं कि क्रॉस के बिना कोई ताज नहीं हैं । वह ईसा से ही इतना आगे बढ़ा है वह इस संसार से परे वस्तुओं को देखना चाहता हैं । जो शाश्वत हैं । वह भगवान् से मिलना चाहता हैं वह उस पौधे के समान है । जो पानी देने के कारण बढ़ा हैं मौसम में अच्छे फल देगा और शराब के शाखा के समान हैं । जो फल देता हैं उसे मृत्यु का भय नहीं हैं । उसका हृदय ईश्वर प्रेम से भरा हुआ हैं जो उसे पवित्र आत्मा से मिला हैं ।

(१०) दसवॉ चित्र

ईसा ने कहा है मैं ही जीवन और कब्र से उठने वाला हूँ जो मुझमें विश्वास करते हैं । वह मरने पर भी जिंदा रहते हैं । जो मुझमें

अमर घर प्राप्त करना

विश्वास करता हैं वह मरने पर भी नहीं मरता हैं । (जान ११;२५;२६)

जो मेरे वचनों को सुनता हैं मुझमें विश्वास करता हैं । वह मृत्यु को प्राप्त करते हुये भी जिंदा हैं । (जान ५:२५) ण्क ईसाई को मृत्यु से डर नहीं हैं । "मृत्यु पर वह विजय प्राप्त किया हैं । हे मृत्यु तुम्हारा डंक मुझे कष्ट नहीं देगा। हे कब्र तुम्हारी विजय कहॉ हैं ? ईश्वर को धन्यवाद हैं जिसने मुझे विजय दिलाने में सहायता की हैं "(१ कार १५:५४:५६)

वह व्यक्ति जो ईश्वर के मार्ग पर चला हैं । जीवन बिताया हैं उसे मृत्यु का भय नहीं हैं । जब जाने का समय आता हैं । वह खुशी के साथ मृत्यु का आलिंगन करता हैं । एपोस्वेल पाल ने कहा "इस संसार को छोड़ वह ईसा के साथ रहना अधिक पसंद करता हैं ।" (फिल १:२३)

एक ईसाई ईसा के चेहरे को देखना चाहता हैं जो उन शरीर के लिये मर गये । पवित्र आत्मा ईसा के वचनों को याद दिलाती हैं । तुम्हारे दिल को कष्ट नहीं ईश्वर में विश्वास रखों । मेरे पिता के घर में कई भवन हैं । मैं फिर आकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा ।(जान १४:१४) "जो भगवान् से प्रेम करता हैं उनके लिये भगवान् ऑखों से न देखी कानों से सुनी हृदय में न प्रवेश करने वाली वस्तुओं को तैयार रखता हैं ।" (१ कार २:६) प्रभु ईसा के महिमा का वर्णन करने के लिये इस पृथ्वी की कोई भी भाषा के सार्मथ्य नहीं हैं

भयंकर कंकाल पिछले चित्र में देव परी दूत को दिखाया गया हैं । वह उचित आत्मा को ईश्वर तक पहुँचाता हैं । आत्मा और प्राण इस शरीर को छोड़ कर स्वर्ग के द्वार तक पहुँचता हैं । जिस

Copyright ANOE

आत्मा से प्रभु प्रेम करता हैं । देवी लोग उसका स्वागत प्रभु के समक्ष करते हैं वहॉ प्रभु इन शब्दों से उनका स्वागत करते हुये वचन कहता है । तुमने एक सच्चे सेवक की तरह अच्छा काम किया हैं । तुम यहॉ की खुशी में शमिल हो । शैतान के पास अब कोई भी शक्ति नहीं हैं ।

"प्रभु कृपा महिमावान हैं जहॉ संत लोगों की मौत होती हैं ।" (पास्म ११६;१५) मुझे स्वर्ग से एक वाणी सुनाई देती हैं । धन्य हैं वे जो मर गये हैं प्रभु के वचनों का पालन करते हुये । वे अब आराम करेंगे और अन्य अनुयायी उसके काम का अनुकरण करेंगे ।

आखिरी चढ़ाई

प्रिय पाठक प्रभु तुम्हें प्रभु से प्रेम करने का दिल दें । वह तुम्हारे लिये कह रहा हैं मेरे बेटे और बेटियों तुम अपने दिल दे दो । (कहावत २३:२६) तुम ईसा को अपना दुःखी निराश हृदय दे दो वह तुम्हें नया हृदय देगा । उसमें नयी आत्मा को देगा । तुम अपने दिल को कभी धोखा मत देना । तुम उनका अनुसरण करो । जो अपने को सच लानता हैं । वह सबसे बड़ा मूर्ख हैं जो चतुराई के साथ चलता हैं । वह मुक्ति पाता हैं । (कहावत २८:२६) अपने पापों को अपनी अच्छाई से दूर करो । "पापों का परिणाम मृत्यु हैं । प्रभु कृपा से अमरत्व प्राप्त किया जाता हैं । (रोमन ६:२३) तुम अपने जीवन को ईश्वर को दे दिये हो ।" तुम विश्वास रखो । इसी कारण के लिये पाल ने कहा (टिम १:१२) मैं उसे जानता हूँ मैंने उसे इस मार्ग में लाने के लिये प्रयास किया हैं । जिस पर मैंने विश्वास किया हें । आज तक उसने मेरी बातों का अनुकरण किया हैं । तुम अपने को पवित्र विश्वास के लायक बनी पवित्र प्राण के लिये

Copyright ANGP

प्रार्थना करो ईश्वर से प्रेम करते रहो । ईसा की ओर देखते हुये सत्य का जीवन अपना कर वह प्रभु तुम्हारे स्वागत के लिये हैं जो राजाओ का राजा ईश्वर हैं

"अब प्रभु तुम्हें गिरने से बचाता हैं वह तुम्हें निरपराध साबित करता हैं । तुम्हें अति प्रसन्नता के साथ प्रभु रक्षक महिमावान शक्तिमान हैं और सदा के लिये हैं । अमीन (यूहदा २४;२५)"

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-
श्री वी० एस० नेगी
ग्राम -दुर्गापुरी
कोटद्वार (गढ़वाल)
उत्तरांचल- पिन २४६१४१

BHANGI-2,000

Copyright ANGP

A SPECIAL WORD FROM ANGP
UN MONDE SPÉCIAL DE L'ANGP
UMA PALAVRA ESPECIAL DA ANGP

This booklet "The Heart of Man" is available in over 538 languages and dialects spoken throughout the world (Africa, Asia, The Far East, South America, Europe, etc.) Our Heart Book is now also available on cell phones, tablets, etc from www.angp-hb.co.za or as an APP "Heart of Man" on Android phones.

Le livre du "Coeur de l'homme" peut etre obtenu en plus de 538 langues et dialectes parles dans le monde entier, a savoir: Afrique, Amerique, Asie, Extreme Orient, Europe. Notre Livre du Coeur est maintenant aussi disponible sur votre Telephone cellular, plaques, etc. de www.angp-hb.co.za ou comme une Application "Heart of Man" sur telephones Android.

Este livro "O Coracao do Homem" e obtfdo em mais de 538 linguas e dialectos falados em todo o mundo, a saber: (Africa, Asia, America do Sul, Extremo Oriente, Europa, etc). O nosso Livro O Coração do Homem tambem esta agora disponivel em telefone celular, tablets, etc. de www.angp-hb.co.za ou como um aplicativo "Heart of Man" nos telephones celulares Android.

Copyright ANGP

The 10 heart pictures contained in this booklet are also available in the form of large coloured picture charts (86 x 61cm) bound together in a set of 10 pictures. These "Heart Charts" can be obtained with European or African features and are particularly suitable to be used in conjunction with the Heart Book for class-teaching, open air evangelization etc. Kindly contact us to ascertain the latest subsidized price of this chart.

Les 10 images du coeur qui figurent dans ce livre peuvent etre obtenues en tableaux de couleur, format 86 x 61 cm, avec des physionomies europeennes ou africaines. Ils peuvent etre utilises en meme temps que le livre du coeur pour des classes bibliques, a

l'ecole du dimanche ou lors de reunions de plein air. Soyez aimable de nous contacter pour assurer les derniers prix en cours du tableau.

As 10 imagens do coracao, contidas neste livro podem ser obtidas num conjunto de 10 imagens em colorido no tamanho de (86 x 61 cm). Estes "Cartazes do Coracao podem ser obtfdos com caracterfsticas Europeias e Africanas e podem ser usados em conjuncao com o mesmo livro em classes de ensino biblico, evangelizacao ou ao ar livre. Agradeciamos que nos contacta- se para confirmacao do ultimo preco dos cartazes.

Kindly write to us if you are able to assist us with further translations of our free Gospel literature, informing us of the language into which you could translate this Gospel literature. Your assistance would be appreciated.

Copyright ANGF

If you have found salvation in Christ, or have been otherwise blessed through our Gospel literature, please let us know. We would like to thank God with you, and remember you further in our prayers.

Nous vous invitons a nous contacter pour faire des arrangements concernant de nouvelles traductions de notre litterature, nous informant de la langue dans laquelle vous pouvez traduire cette litterature evangelique. Votre aide sera beaucoup appreciee.

Si vous avez trouve le salut en Christ ou si vous avez ete beni par notre litterature, nous vous prions de nous le faire savoir. Nous aimerions remercier Dieu avec vous et prier pour vous.

Nos vos convidamos a nos contactar, afim de fazer qualquer arranjo concernente a novas traducoes de nossa literatura em outras lfnguas. Vossa assistencia sera muito apreciavel.

Se tem encontrado a salvacao em Cristo, ou se tem sido abencoado por intermedio da nossa literatura evangelica, faca o favor de nos

informar. Pois nos gostarfamos de agradecer a Deus juntamente convosco, e lembra-lo sempre em nossas oracoes.

For free Gospel literature, books and tracts in over 538 languages, write to:

Pour obtenir gratuitement de la litterature evangelique, des livres et des traites en plus de 538 langues, ecrivez a:

Para obter gratuftamente a literatura evangelica, livros e folhetos em mais de 538 lfnguas diferentes escreva para:

ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS
P.O. Box 2191
PRETORIA
0001
R.S.A.

info@angp.co.za

Copyright ANGP

A Gospel Literature Mission financed by donations
Une Mission de litterature evangelique financee de dons
Missao de literatura Evanqelica financiada por donativos

(Reg. No. 1961/001798/08)